



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैरेखनी	26.8.22	9	3-8

**वैज्ञानिकों, अधिकारियों, बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों ने की गुलाबी सुंडी के प्रकोप की समीक्षा
क्षेत्र में गुलाबी सुंडी के नियंत्रण को सामूहिक प्रयास की जरूरत**

■ किसान व कृषि वैज्ञानिक

हारिलाली ब्रह्मा दिवार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. कांडोज ने कहा कि देश के उत्तरी क्षेत्र में कपास की फसल में युगलीया चुड़ी की समस्या पर किसान व कृषि वैज्ञानिक लगातार नजर बनाए हुए हैं। इसके समाधान के लिए सभी हितधारक भिलखार काम कर ताकि किसानों को आर्थिक नकासान से



हिसार। कल्पना में भी उपर लगावाहे चमोरी बैठक तो आयी—

वर्चया जा सके। वे विश्वविद्यालय में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज उत्पन्नियों के प्रतिनिधियों व किसिनों के लिए अवश्यक

अगले छह सालों के दौरा में

कुलपति ने पूर्ण उत्तरी भूरत के लिए क्रान्ति फैलाने के लिए अस्युक्त प्रदानावाहकी समय-समय पर दिनांकों तक पहुँचवें पर बढ़ दिया। उस्थिरे कला के जागरण पर गांधी भाष्य क्रान्ति के लिए अस्युक्त महत्वपूर्ण है। इन उत्तरी गुजराती सुनी की विवरणों के साथ प्रशंसा तात्परी के प्रयोग पर ध्यान देने की बहुत जरूरत होती।

इस अवसर पर सिर्स के लकड़ी विदेशी (उत्तरांश) और अंग्रेजी सिर्सों के लकड़ीयों ने कामों के लकड़ीयां उत्पादन, विक्री विदेशी यांत्रिकीयों की विदेशी एवं लकड़ीयों सुन्दरी के प्रबलास के लिए विदेशी वस्त्र प्रबलासों से अवसरा कराया। कल्पनायी विदेशी उत्तरांश विदेशी प्रियां के लकड़ीयी लकड़ीयां दूसरे देशों के लकड़ीयों सुन्दरी के प्रबलास के लिए विदेशी वस्त्रों के लकड़ीयी लकड़ीयां दूसरे देशों में उत्पादन के लिए उत्तरांशीय प्रियां का विदेशी विदेशी विदेशी वस्त्र लकड़ीया गढ़ इन्हें लकड़ीयों के लकड़ीया गढ़ से बदला दिया गया है जो उत्तरांश के लिए विदेशी वस्त्र कल्पनायी की जगह उत्तरांश के लिए विदेशी वस्त्र कल्पनायी की जगह रख दी गयी है। गुलाबी सुन्दरी वस्त्र व्यापक प्रसार प्रवासों से नियन्त्रित किया जा चौंता का विषय है जिसको सामाजिक भक्ता है।

नरना की टिक्याति

बैठक ने हारियाणा तुम्हा
विश्वविद्यालय के अनुसंधान
लिंगेश्वर डॉ जीत राम शर्मा ने
हारियाणा राज्य में उन्नई उच्च कला
प्रशिक्षण की जरूरत प्रियोग की गयी।
विश्वविद्यालय पूर्वी तरफ की जबकी प्राज्ञान
कृषि विश्वविद्यालय, हारियाणा के
वर्षिक वैज्ञानिक डॉ. विश्व बुद्धिमत्ता
अंग राजस्वालय कृषि विश्वविद्यालय
के अधीन अनुसंधान नगरीकरण के
पैलेकम का द्वारा यह सिंह नाम ते
उपनी-उपनी राज्यों में बनाया गया,
को कलाकार एवं प्रकाशक बना।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम अभ्युक्ति	दिनांक २६.४.२२	पृष्ठ संख्या ३	कॉलम १-५
---------------------------------	-------------------	-------------------	-------------

गुलाबी सूंडी नियन्त्रण के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत : प्रो. कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बीआर कांबोज ने कहा कि देश के उत्तरी खेत्र में कपास की फसल में गुलाबी सूंडी की समस्या पर किसान व कृषि वैज्ञानिक लगातार नजर बनाए हुए हैं। इसके समाधान के लिए सभी हितधारक मिलकर कार्य करें ताकि किसानों को अधिक नुकसान से बचाया जा सके।

वे विश्वविद्यालय में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों व किसानों के लिए अनुसंधान निदेशालय द्वारा आयोजित मध्य-मौसम समीक्षा बैठक को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कुलपति ने कहा कि कपास की फसल में गुलाबी सूंडी के नियन्त्रण के लिए



कार्यशाला में संबोधित करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। ममा

हितधारकों के साथ मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा पंजाब और राजस्थान सहित हरियाणा और आसपास के राज्यों में कपास पर गुलाबी सूंडी का व्यापक प्रसार चिंता का विषय है, जिसको सामूहिक प्रयासों से नियंत्रित किया जा सकता है।

पिछले साल हरियाणा के 14 कपास उत्पादक जिलों में गुलाबी सूंडी का प्रकोप देखा गया था। पंजाब के बठिंडा और

मानसा जिलों में और राजस्थान के हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिलों में भी कपास पर गुलाबी सूंडी की घटनाओं की रिपोर्ट उपलब्ध है। बैठक में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने हरियाणा राज्य में उगाई गई नरमा फसल की वर्तमान स्थिति को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की जबकि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, सुधियाना के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विजय कुमार और

राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान, गंगानगर के वैज्ञानिक डॉ. रूप सिंह मीणा ने अपने-अपने राज्यों में नरमा फसल की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर सिरसा के संयुक्त निदेशक (कपास) डॉ. आरपी सिहांग ने हरियाणा में कपास के क्षेत्रफल, उत्पादन, विभिन्न बीजों की विक्री एवं गुलाबी सूंडी के प्रबंधन के लिए किए गए प्रयासों से अवगत कराया।

क्षेत्रीय कपास अनुसंधान केंद्र, सिरसा के क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ. एसके बर्मा ने गुलाबी सूंडी के प्रबंधन के लिए किए गए प्रयासों एवं उत्तरी भारत में नरमा में अच्छे उत्पादन हेतु रणनीति प्रस्तुत की। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलदान मिहे मंडल ने कृषि विज्ञान के दोनों के माध्यम से नरमा फसल के अच्छे उत्पादन हेतु किए गए कार्यक्रमों की जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सूचाकार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दोनों भास्कर	26.8.22	3	3

कपास की फसल में गुलाबी सुंडी पर कृषि वैज्ञानिकों की नज़र



एचएयू में कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने कहा कि देश के उत्तरी क्षेत्र में कपास की फसल में गुलाबी सुंडी की समस्या पर किसान व कृषि वैज्ञानिक लगातार नज़र बनाए हुए हैं। इसके समाधान के लिए सभी हितधारक मिलकर कार्य करें ताकि किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके।

वे विश्वविद्यालय में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों व किसानों के लिए अनुसंधान निदेशालय द्वारा आयोजित मध्य-मीसम समीक्षा बैठक को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कुलपति ने कहा कि कपास की फसल में गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के लिए हित धारकों के साथ मिलकर सामृद्धिक प्रयास करने होंगे। आगामी एक माह समय कपास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

नरमा फसल पर भी चर्चा

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने हरियाणा राज्य में उगाई गई नरमा फसल की वर्तमान स्थिति को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की, जबकि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विजय कुमार और राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के थेट्रीय अनुसंधान, गंगानगर के वैज्ञानिक डॉ. रूप सिंह शर्मा ने अपने-अपने राज्यों में नरमा फसल की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
यैन-अ-ज्ञान। १२०	२६.४.२२	५	२-४

कपास में गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के लिए सामूहिक प्रयास करने की जरूरत : कुलपति

जागरण संवाददाता, हिसारः चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. बीआर काम्बोज ने कहा कि देश के उत्तरी क्षेत्र में कपास की फसल में गुलाबी सुंडी की समस्या पर किसान व कृषि वैज्ञानिक लगातार नजर बनाए हुए हैं। इसके समाधान के लिए सभी हितधारक मिलकर कार्य करें ताकि किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके। वे विश्वविद्यालय में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों व किसानों के लिए अनुसंधान निदेशालय द्वारा आयोजित मध्य-मौसम समीक्षा बैठक को बताए मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कुलपति ने कहा कि कपास की फसल में गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के लिए हितधारकों के साथ मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा पंजाब और राजस्थान सहित हरियाणा और आसपास के राज्यों में कपास पर गुलाबी सुंडी का व्यापक प्रसार चिंता का विषय है जिसके



कुलपति प्रौ. बी.आर. काम्बोज समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए। • पीआरओ।

सामूहिक प्रयासों से नियंत्रित किया जा सकता है। पिछले साल हरियाणा के 14 कपास उत्पादक जिलों में गुलाबी सुंडी का प्रकोप देखा गया था। पंजाब के बठिडा और मानसा जिलों में और राजस्थान के हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिलों में बीटी कपास पर गुलाबी सुंडी की घटनाओं को रिपोर्ट उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त इस माह से रेतीली मिट्टी में उगाई गई कपास की फसल में पोषक तत्वों का कमी शुरू हो गई है। किसानों को जरूरत के हिसाब से पोषक तत्वों की कमी पूरी करनी चाहिए। उन्होंने पूर्ण उत्तरी भारत के लिए कपास फसल के लिए संयुक्त एडवाइजरी समय-समय पर किसानों तक पहुंचाने पर बल दिया। एक माह समय कपास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। गुलाबी सुंडी की निगरानी के साथ पोषक तत्वों पर ध्यान देने की बहुत जरूरत होगी। उम्मीद जताई है कि यह समीक्षा बैठक कपास की फसल में गुलाबी सुंडी, सफेद मक्की के प्रकोप और कपास की पत्ती मरोड़ वायरस रोग के प्रबंधन के लिए कारगर साबित होगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब एसरी	26.8.22	५	२-५

कपास ने गुलाबी सुण्डी के नियन्त्रण के लिए सामूहिक प्रयास करने की ज़रूरत: कुलपति प्रो. काम्बोज

कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों ने की गुलाबी सुण्डी के प्रकोप की समीक्षा

हिसार, 25 अगस्त (बूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि देश के उत्तरी क्षेत्र में कपास की फसल में गुलाबी सुण्डी की समस्या पर किसान व कृषि वैज्ञानिक लगातार नजर बनाए हुए हैं। इसके समाधान के लिए सभी हितधारक मिलकर कार्य करें ताकि किसानों की आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके। वे विश्वविद्यालय में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों व किसानों के लिए अनुसंधान निदेशालय द्वारा आयोजित मध्य-मौसम समीक्षा बैठक को बताए मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

कुलपति ने कहा कि कपास की फसल में गुलाबी सुण्डी के नियन्त्रण के लिए हितधारकों के साथ मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा पंजाब और राजस्थान सहित हरियाणा और आसपास के राज्यों में कपास पर गुलाबी सुण्डी का व्यापक प्रसार लिंगा



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए।

का विषय है, जिसको सामूहिक प्रयासों से नियंत्रित किया जा सकता है। पिछले साल हरियाणा के 14 कपास उत्पादक जिलों में गुलाबी सुण्डी का प्रकोप देखा गया था। पंजाब के बठिंडा और मानसा जिलों में और राजस्थान के हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिलों में बीटी कपास पर गुलाबी सुण्डी की घटनाओं की रिपोर्ट उपलब्ध है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि यह समीक्षा बैठक कपास की फसल में गुलाबी सुण्डी, सफेद मक्खी के प्रकोप और कपास की पत्ती मरोड़ बायरस रोग के प्रबंधन के लिए कारगर साबित होगी।

बैठक में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने हरियाणा राज्य में उगाई गई नरमा फसल की वर्तमान स्थिति को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की जबकि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विजय कुमार कार्यक्रमों की जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभीत सभाना २	२६.९.२२	५	१-५

कपास में गुलाबी सुंडी के नियंत्रण हेतु सामूहिक प्रयास करने की जरूरत : कुलपति

कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों ने की गुलाबी सुंडी के प्रकोप की समीक्षा

हिसार, 25 अगस्त (विरोद वर्मा)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. आर. काम्बोज ने कहा कि देश के उत्तरी भूमि में कपास की फसल में गुलाबी सुंडी की समस्या पर किसान व कृषि वैज्ञानिक लगातार नजर बनाए हुए हैं। इसके समाधान के लिए सभी हितधारक मिलकर कार्य करें ताकि किसानों को आर्थिक तुक्सान से बचाया जा सके। वे विश्वविद्यालय में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों व किसानों के लिए अनुसंधान निदेशालय द्वारा आयोजित मध्य-मौसम समीक्षा बैठक को बताए मुख्यालिय संबोधित कर रहे थे।

कुलपति ने कहा कि कपास की फसल में गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के लिए हितधारकों के साथ मिलकर

सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा

पंजाब और राजस्थान सहित हरियाणा

और आसपास के राज्यों में कपास पर

गुलाबी सुंडी का व्यापक प्रसार चिंता

माह से रेतीली भिट्ठी में उआई गई कपास की फसल में पोषक तत्वों की कमी शुरू हो गई है। किसानों को जरूरत के लिए गुलाबी सुंडी का व्यापक तत्वों की कमी पूरी होगी।

समीक्षा बैठक कपास की फसल में गुलाबी सुंडी, सफेद प्रकारों के प्रकोप और कपास की पत्ती परोड वायरस रोग के प्रबंधन के लिए कागर साबित होगी।

बैठक में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने हरियाणा राज्य में उआई गई नरम फसल की वर्तमान स्थिति को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की जबकि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विजय कुमार और राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के श्रेष्ठ अनुसंधान, गंगानार के वैज्ञानिक डॉ. रम सिंह योगा ने अपने-अपने राज्यों में नरम फसल की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर मिरसा के संयुक्त निदेशक (कपास) डॉ. आर. पी. सिहां ने हरियाणा में कपास के शेत्रफल, उत्पादन, विभिन्न बीजों की

विक्री एवं गुलाबी सुंडी के प्रबंधन के लिए किए गए प्रयासों से अवगत कराया। कैन्ट्रीय कपास अनुसंधान केन्द्र, सिरसा के श्रेष्ठ अध्यक्ष डॉ. एम.के. वर्मा ने गुलाबी सुंडी के प्रबंधन के लिए किए गए प्रयासों एवं उत्तरी भारत में नरम में अच्छे उत्पादन हेतु रणनीति प्रस्तुत की। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान मिंह मंडल ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से नरम फसल के अच्छे उत्पादन हेतु किए गए कार्यक्रमों को जानकारी दी। इस अवसर पर बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भी कपास फसल के लिए उनके द्वारा किए गए प्रचार-प्रसार के कार्यों से अवगत कराया। बैठक के अंत में कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. ऑनिल कुमार यादव ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद व्यक्त किया। मंच का संचालन सहायक निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव ने किया।



कुलपति प्रो. डॉ. आर. काम्बोज समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए।

का विषय है जिसको सामूहिक प्रयासों से नियंत्रित किया जा सकता है। पिछले साल हरियाणा के 14 कपास उत्पादक जिलों में गुलाबी सुंडी का प्रकोप देखा गया था। पंजाब के बठिठा और मानसा जिलों में और राजस्थान के हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिलों में बीटी कपास पर गुलाबी सुंडी की घटनाओं की रिपोर्ट उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त इस

करनी चाहिए। उन्होंने पूर्ण उत्तरी भारत के लिए कपास फसल हेतु संयुक्त एडवाइजरी समय-समय पर किसानों तक पहुंचाने पर चल दिया। उन्होंने कहा आगामी एक माह समय कपास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस समय गुलाबी सुंडी की नियानी के साथ पोषक तत्वों के प्रयोग पर ध्यान देने की बहुत जरूरत होगी। उन्होंने उम्मीद जताई है कि यह



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सुमित्राचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
यूनाइटेड ब्ल्यून	26.8.22	५	३-५

कपास में गुलाबी सुंडी से किसानों में चिंता समीक्षा बैठक में समस्या के निदान के लिए सामूहिक प्रयास पर जोर

हिसार, 25 अगस्त (विस)

इन दिनों कपास की फसल में लगी गुलाबी सुंडी ने किसानों के ही नहीं बल्कि कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों व निजी बीज व दवाई कंपनियों के भी पसीने छूटा दिए हैं। समस्या का हल निकालने के लिए हक्किवि में हुई समीक्षा बैठक में भी अधिकारियों ने इसके निदान के लिए सामूहिक प्रयास करने पर जोर दिया है। हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज व दवाई कंपनियों के प्रतिनिधियों व किसानों के लिए अनुसंधान निदेशालय द्वारा मध्य-

मौसम समीक्षा बैठक की गई। इसकी अध्यक्षता करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने कहा कि देश के उत्तरी क्षेत्र में कपास की फसल में गुलाबी सुंडी की समस्या पर किसान व कृषि वैज्ञानिक लगातार नजर बनाए हुए हैं। इसके समाधान के लिए सभी मिलकर कार्य करे ताकि किसानों को आर्थिक नक्सान से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि पिछले साल हरियाणा के 14 कपास उत्पादक जिलों में गुलाबी सुंडी का प्रकोप देखा गया था। बठिंडा और मानसा जिलों में और राजस्थान के हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिलों

में भी गुलाबी सुंडी की घटनाओं की रिपोर्ट उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त इस माह से रेतोली मिट्टी में उगाई गई कपास की फसल में पोषक तत्वों की कमी शुरू हो गई है। किसानों को जरूरत के हिसाब से पोषक तत्वों की कमी पूरी करनी चाहिए।

बैठक में हक्किवि के अनुसंधान निदेशक डॉ जीतराम शर्मा, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के वैज्ञानिक डॉ विजय और राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, गंगानगर के वैज्ञानिक डॉ रूपसिंह मीणा ने अपने गज्जों में नरमा फसल की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त धरम	25.8.2022	--	--

कपास में गुलाबी सुंडी के नियन्त्रण के लिए सामूहिक प्रयास करने की जरूरत : कुलपति प्रो. काम्बोज

समक्ष हरिचाणा न्यूज

हिंसरा। नींवारे चत्तर सिंह हरियाणा कृषि विभागियों के कुलपति प्रो. बी. अर. काम्बोज ने कहा कि देश के उत्तरी रेजियन में कपास की कफलत में गुलाबी सुन्दी का समाला पर किसान व कृषि वैज्ञानिक लगातार बड़े बदलाए तुरे हैं। इसके समालों के लिए सभी हिंसाकर विलकर बालंग करे ताकि किसानों की अधिक गुणवत्ता से बचाया जा सके। वे विभिन्नियां में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के भूर्ज विभिन्नियां लगाए गये जिनकों कृषि अधिकारियों, निवी बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों व किसानों के लिए अद्युत्तम विदेशीशब्द द्वारा अन्योनित मध्य-सीसम गान्धीजी बैठक की बीतर मुख्यालय में घोषित कर रहे थे। कुलपति ने कहा कि कपास की फसल में गुलाबी सुन्दी के नियन्त्रण के लिए हिंसाकरों के साथ विलकर सामृद्धिक प्रयाप करने होंगे। उन्होंने कहा पंजाब और राजस्थान सहित हरियाणा और आसाम के इन्होंने में कपास पर गुलाबी सुन्दी का व्यापक प्रसार खिंचा था विषय है किसको सामृद्धिक प्रयासों में निवृत्त किया जा सकता है। यिन्हें साल हरियाणा के 14 कराम उत्पादक जिलों में गुलाबी सुन्दी का प्रोटोप देखा गया था। पंजाब के बाटिंडा और मानसा जिलों में और राजस्थान के इन्द्राजाल और लोगांगनगर जिलों में बीटी काराम पर गुलाबी सुन्दी की घटनाओं को रिपोर्ट उपलब्ध है। इसके अधिक इस माह से रोटीली घिन्ही में उत्तर गई कपास की फसल में लोक लालों की कमी तुक्रा ही रहा है। किसानों को जलात के हिसाब से लोक लालों की कमी पूरी करनी चाहिए उन्होंने पूर्ण उत्तरी भारत के लिए काराम कफलत देते संयुक्त रक्षाबंधन समय-समय पर किसानों तक पहुंचाने पर ध्या-



दिया। उन्होंने कहा आपमी एक माह समय कपास के लिए बहुत आर.पी. सिंहाग ने हारियाणा में कपास के क्षेत्रफल, उत्पादन, विभिन्न औजां की विज्ञ एवं गुणात्मक सूची के प्रबन्धन के लिए इस गए प्रबन्धन से अवगत कराया। केंद्रीय कपास अनुसंधान केन्द्र, सिरसा के श्रीराम अध्यक्ष डॉ. एम.के. बड़ा ने गुलाबी सूची, संकेत मवजूदी के उत्कोष और कपास की पत्ती मरीजू वापरम रोग के प्रबन्धन के लिए कारगर मार्गित दीया। बैठक में हारियाणा कृषि विभागालय के अनुसंधान विदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने हारियाणा राज्य में डाक्टर गई नरसा फसल की वर्तमान स्थिति को संकेत विभागपूर्वक चर्चों की अवधि पर्यावर कृषि विभागालय, लूटियाणा के बरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विजय चौधरी और राजस्वान कृषि विभागालय के क्षेत्रीय अनुसंधान, गंगानगर के वैज्ञानिक डॉ. रघु लिंग शर्मा ने अपने-अपने राज्यों में नरसा फसल की वर्तमान स्थिति पर उत्काश दाला। इस अवसर पर सिरसा के मध्यक निदेशक (कपास) डॉ.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
निराग २०२२	25.8.2022	--	--

कपास में गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत : प्रो. काम्बोज

कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज नियंत्रियों के प्रतिनिधियों ने की गुलाबी सुंडी के प्रकोप की समीक्षा



विराग टाइम्स न्यूज़

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कूलपति प्रो. चौ.आर. काम्बोज ने कहा कि देश के उत्तरी क्षेत्र में कपास की फसल में गुलाबी सुंडी को समस्या पर किसान व कृषि वैज्ञानिक लगातार नजर आए रहे हैं। इसके समाधान के लिए सभी हितधारक मिलकर कार्य करें ताकि किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके। वे विश्वविद्यालय में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज नियंत्रियों के प्रतिनिधियों व किसानों के लिए अनुसंधान निदेशक द्वारा आयोजित मध्य-मौसम समीक्षा बैठक को बतौर मुख्यालिय संबोधित कर रहे थे।

कूलपति ने कहा कि कपास की फसल में गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के लिए हितधारकों के साथ मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा पंजाब और राजस्थान सहित हरियाणा और आसपास के राज्यों में कपास पर गुलाबी सुंडी का

प्रयासों से नियंत्रित किया जा सकता है। पिछले साल

हरियाणा के 14 कपास उत्पादक जिलों में गुलाबी सुंडी का प्रकोप देखा गया था। पंजाब के बटिंडा

के क्षेत्रीय अनुसंधान, गोदानगढ़ डॉ. रूप

सिंह भौमा ने अपने-अपने राज्यों में नरमा फसल

की बर्तमान स्थिति पर प्रकाश छाला।

इस उत्पादक पर सिरसा के संयुक्त निदेशक (कपास) डॉ. आर.पी. सिहार ने हरियाणा में कपास

कपास की फसल में पोषक तत्वों की कमी गुरु तौर

गई है। किसानों द्वारा जलरत के हिसाब से पोषक

तत्वों की कमी पूरी करनी चाहिए। उन्होंने उत्तरी

जलाई है कि यह समीक्षा बैठक कपास की फसल में

गुलाबी सुंडी के प्रबंधन के लिए किए गए प्रयासों

में अवगत कराया। बैठक कपास अनुसंधान केन्द्र,

सिरसा के क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ. एम.के. वर्मा ने

गुलाबी सुंडी के प्रबंधन के लिए किए गए प्रयासों

में अवगत भारत में नरमा में अच्छे उत्पादन हेतु

राजनीति प्रस्तुत की।

बैठक में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने हरियाणा

राज्य में उगाई गई नरमा फसल की बर्तमान स्थिति

को सेकर विस्तारपूर्वक चर्चा को जबकि पंजाब

सिंह मैडल, कपास अनुसंधान के अध्यक्ष डॉ. अनिल

कूलपति यादव, सहायक निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव

आदि भौमि रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्मुच्छ पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टी.एल. १८/२०२२	26.8.2022	--	--

कपास में गुलाबी सुंडी के नियन्त्रण के लिए सामूहिक प्रयास करने की जरूरत : कुलपति

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि देश के उत्तरी क्षेत्र में कपास की फसल में गुलाबी सुंडी की समस्या पर किसान व कृषि वैज्ञानिक लगातार नजर बनाए हुए हैं। इसके समाधान के लिए सभी हितधारक मिलकर कार्य करें ताकि किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके। वे विश्वविद्यालय में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के कपास वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, निजी बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों व किसानों के लिए अनुसंधान निदेशालय द्वारा आयोजित मध्य-मौसम समीक्षा बैठक को बतौर मुख्यातिथि

संबोधित कर रहे थे। कुलपति ने कहा कि कपास की फसल में गुलाबी सुंडी के नियन्त्रण के लिए हितधारकों के साथ मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा पंजाब और राजस्थान



सहित हरियाणा और आसपास के राज्यों में कपास पर गुलाबी सुण्डी का व्यापक प्रसार चिंता का विषय है जिसको सामूहिक प्रयासों से नियंत्रित किया जा सकता है। पिछले साल हरियाणा के 14 कपास उत्पादक जिलों में गुलाबी सुण्डी का प्रकोप देखा गया था।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Yugmarg	26.8.2022	--	--

HAU student Ankit selected for postgraduate course in top German university



HISAR: Ankit, a BSc (Hons) Agriculture student of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, has been selected for admission to the two-year Master of Science degree course at the Technical University, Munich, one of the top German universities. He will do education and research in the subject of agricultural bio-science there. Will get free education with zero tuition fee marked during the course. Vice Chancellor Prof. BR Kambal praised Ankit for this achievement and wished him all the best for his bright future. The Vice Chancellor said that it is a matter of pride that Ankit has been selected in the top university of Germany. He said that in recent years many students of the University have gone to many renowned universities of the world to pursue higher academic degrees. He said that today HAU is one of the world class universities as not only students from here go abroad for studies but foreign students are also coming here for studies. He said that Ankit is the ninth student among those going to foreign universities for higher education in the last four months. Ankit has given the credit of this achievement to the encouragement given by his parents as well as the facilities of education available in Haryana Agricultural University and the guidance given by the teachers of the university. N.S. with studies at Ankit Haryana Agricultural University. He has also been an active volunteer of and has also participated in the Republic Day Parade. Dr. Surendra Kumar Pahuja, Dean of Agriculture College, Dr. Asha Khatra, Incharge of International Cell and Dr. Anil Dhaka, Co-Director of Student Counseling and Planning Unit were also present on the occasion. He also congratulated Ankit on this achievement.